सदनलाल सांवलदास खन्ना महिला महाविद्यालय में मानव अधिकारों के बारे में **शिक्षा** देने के **उद्देश्य** से मानव अधिकार दिवस का आयोजन किया गया। डॉ नीरजा सचदेव अध्यक्ष, अग्रेज़ी विभाग ने मानव अधिकारों पर व्याख्यान देते हुए कहा कि **वर्ष** 1948 में प्रथम बार संयुक्त **राष्ट्र** महासभा द्वारा 10 दिसम्बर को प्रति **वर्ष** मानव अधिकार दिवस मनाये जाने की **घोषणा** में प्रस्तावना एवं 30 अनुच्छेद है। मानव अधिकार **मनुष्य** के वे मूलभूत सार्वभौमिक अधिकार है जिनसे **मनुष्य** को नस्ल, जाति, राश्ट्रीयता, धर्म लिंग आदि किसी भी दूसरे कारक के आधार पर वंचित नही किया जा सकता है। सभी व्यक्तियों को गरिमा व अधिकारों के बारे में जन्मजात, स्वतंत्रता और समानता प्राप्त है।